18 छात्राओं ने बारहवीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लेकर विद्यालय तथा विश्वविद्यालय का नाम किया रोशन

छात्रा को सम्मानित करते कुलपति प्रोफेसर सुदेश, कुलसचिव प्रोफैसर शिवालिक यादव व अन्य।

गोहाना, 14 मई (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की 18 छात्राओं ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित बारहवीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक लेकर विद्यालय तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। आज विश्वविद्यालय में इन छात्राओं के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता स्कूल की प्राचार्य सुमिता सिंह ने की जबकि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में महिला विवि के कुलसचिव प्रो शिवालिक यादव बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। छात्राओं को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रोफेसर सुदेश ने कहा कि कन्या गुरुकुल महिला विश्वविद्यालय की नींव है और इस नींव की मजबूती महिला विश्वविद्यालय के विकास के लिए बहुत ही जरूरी है। कन्या गुरुकुल की छात्राओं ने अपने परिणामों के साथ साबित कर दिया कि महिला विश्वविद्यालय की छात्राएं बहुत ही कर्मठ और मेहनती है। विश्वविद्यालय के डीन ऐकडेमिक अफेयर्स प्रोफेसर संकेत विज ने कहा कि हमारी छात्राएं हमारी शान है। इस अवसर पर महिला विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. श्वेता सिंह, प्रो. प्रिया ढींगरा, प्रो. बीनू तंवर, प्रो. जगदीश सिंगला, प्रो. सुनील सांगवान भी मौजूद रहे।

गोहाना। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते कुलपति प्रो. सुदेश।

सात दिवसीय कार्यशाला का समापन

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के रिसर्च केंद्र व डॉक्टरल स्टूडियो ओमप्रकाश जिंदल यूनिवर्सिटी ,सोनीपत के तत्वाधान में महिला विवि में आयोजित 7 दिवसीय कार्यशाला का बुधवान को समापन हो गया। संयोजन विवि के स्वालम्ब केंद्रे की निदेशक डॉ. अंशु भारद्वाज व ओपी जिंदल ग्लोबल विवि से प्रो. केके पांडेय का रहा। मुख्य वक्ता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि अनुसंधान एक ऐसा प्रयत्न है जिसमें नए ज्ञान की खोज के साथ उपलब्ध ज्ञान में परिवर्तन करना होता है। शोध पद्धति का उद्देश्य, शोध के प्रति आप के दृष्टिकोण के पीछे के तर्क को स्पष्ट करना है। उन्होंने कहा कि शोध पद्धति एक विशिष्ट शोध समस्या के अध्ययन के लिए प्रयोग की जाने वाली तकनीक और प्रक्रियाओं का एक व्यवस्थित और तर्कसंगत तरीका है। प्रो0. सुदेश ने बताया कि शोध पद्धति का अंतिम उद्देश्य डाटा एकत्रित करना उसका विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालना है। प्रो. केके पांडेय ने कहा कि शोध में सामाजिक प्रभाव होना जरूरी है।